

प्रेषक,
टीकम सिंह पवार
संयुक्त सचिव,
उत्तराखण्ड शासन।

सेवा में,
समस्त जिलाधिकारी,
उत्तराखण्ड।

पेयजल अनुभाग-2

देहरादून: दिनांक 21 अप्रैल, 2008

विषय: चालू वित्तीय वर्ष 2008-09 में जिला योजना के न्यूनतम आवश्यकता कार्यक्रम (सामान्य) के अंतर्गत ग्रामीण पेयजल योजनाओं के क्रियान्वयन हेतु वित्तीय स्वीकृति।

महोदय,

उपर्युक्त विषयक प्रबन्ध निदेशक, उत्तराखण्ड पेयजल निगम के पत्र संख्या 1251/धनावंटन प्रस्ताव/दिनांक 10.04.2008 के संदर्भ में मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि श्री राज्यपाल न्यूनतम आवश्यकता कार्यक्रम (सामान्य) के अंतर्गत जिला योजना की सामान्य श्रेणी की ग्रामीण पेयजल योजनाओं के क्रियान्वयन हेतु चालू वित्तीय वर्ष 2008-09 में निम्नलिखित विवरणानुसार जनपदवार कुल ₹0 5000.00 लाख (₹0 पचास करोड़ मात्र) की धनराशि के व्यय हेतु आपके निवर्तन पर रखे जाने की सहर्ष स्वीकृति प्रदान करते हैं :-

(धनराशि (लाख ₹0 में)

क्र०सं०	जनपद	अनुमोदित परिव्यय	धन की माँग
1	उत्तरकाशी	463.15	400.00
2	चमोली	250.10	200.00
3	रूद्रप्रयाग	366.40	300.00
4	टिहरी	817.62	800.00
5	देहरादून	431.57	400.00
6	पौड़ी	1088.15	984.20
7	हरिद्वार	15.80	15.80
8	पिथौरागढ़	483.90	400.00
9	चम्पावत	320.00	300.00
10	अल्मोड़ा	518.46	500.00
11	बागेश्वर	250.79	200.00
12	नैनीताल	436.00	400.00
13	उधमसिंह नगर	127.22	100.00
	योग:	5569.18	5000.00

2- उपरोक्त स्वीकृत धनराशि का आहरण उत्तराखण्ड पेयजल निगम के संबंधित जनपद के अधिशासी अभियन्ता/नोडल अधिकारी के हस्ताक्षरयुक्त तथा संबंधित जनपद के जिलाधिकारी के प्रतिहस्ताक्षरित बिल संबंधित जनपद के कोषागार में प्रस्तुत करके वास्तविक आवश्यकतानुसार किशतों में पूर्व स्वीकृत धनराशि का पूर्ण उपयोग अथवा 80 प्रतिशत धनराशि के उपयोग के उपरान्त ही किया जायेगा। जिन जनपदों में पूर्व में स्वीकृत समस्त धनराशि का उपयोग हो चुका है, वे आवंटित धनराशि का आवश्यकतानुसार आहरण कर सकते हैं।

3- कार्य की समयबद्धता एवं गुणवत्ता हेतु सम्बन्धित अधिशासी अभियन्ता अथवा इस स्तर का अधिकारी पूर्ण रूप से उत्तरदायी होगा।

4- स्वीकृत धनराशि से कराये जाने वाले कार्यों पर उ० प्र० शासन के वित्त लेखा अनुभाग-2 के शासनादेश सं०-ए-2-87(1)/दस-97-17(4)/75 दिनांक 27-2-97 के अनुसार सैन्टेज व्यय किया जायेगा तथा कार्यों की कुल लागत के सापेक्ष पूर्व में व्यय की गई धनराशि में सैन्टेज चार्ज के रूप में व्यय की गई धनराशि को समायोजित करते हुए कुल सैन्टेज चार्ज 12.50 प्रतिशत से अधिक अनुमन्य नहीं होगी। इसका कृपया कड़ाई से पालन सुनिश्चित कर आगणनों में सैन्टेज की व्यवस्था उक्तानुसार ही की जाय।

5- स्वीकृत धनराशि का व्यय प्रथमतया चालू योजनाओं पर किया जायेगा तथा चालू योजनायें शेष न होने पर ही नये कार्यों पर योजनावार विवरण उपलब्ध कराने पर शासन की अनुमति के उपरान्त ही धनराशि व्यय की जायेगी।

6- उक्त स्वीकृत धनराशि से जिला योजना में अनुमोदित ग्रामीण पेयजल योजनाओं का क्रियान्वयन उत्तरांचल पेयजल निगम द्वारा किया जायेगा।

7- जनपदवार स्वीकृत धनराशि के योजनावार आवंटन की सूचना 2 सप्ताह के अन्दर शासन को अवश्य उपलब्ध करा दी जाय, जिसमें लाभान्वित होने वाली एन०सी० तथा पी० सी० बस्तियों का विवरण अवश्य स्पष्ट रूप से अंकित किया जाय।

8- स्वीकृत धनराशि ऐसी योजनाओं पर कदापि व्यय न की जाय, जिसके संबंध में तकनीकी स्वीकृति प्राप्त नहीं हैं अथवा जो विवादग्रस्त हैं।

9- व्यय करने से पूर्व जिन मामलों में बजट मैनुअल और फाईनेन्शियल हैंडबुक नियमों तथा अन्य स्थायी आदेशों के अंतर्गत शासकीय अथवा सक्षम प्राधिकारी की स्वीकृति आवश्यक हों, उसमें व्यय करने से पूर्व ऐसी स्वीकृति अवश्य प्राप्त कर ली जाय। निर्माण कार्यों पर व्यय करने से पूर्व आगणनों/पुनरीक्षित आगणनों पर सक्षम प्राधिकारी की तकनीकी स्वीकृति अवश्य प्राप्त कर ली जाय।

10- स्वीकृत धनराशि से वही कार्य किया जायेगा जो जिला नियोजन एवं अनुश्रवण समिति द्वारा अनुमोदित हो और जनपदवार आवंटित प्लान परिव्यय के अन्तर्गत हों तथा जिला अनुश्रवण समितियों द्वारा अनुमोदित परिव्यय से अधिक व्यय कदापि न किया जाय।

11- स्वीकृत की जा रही धनराशि का दिनांक 30.12.2008 तक पूर्ण उपयोग करके इसकी वित्तीय/भौतिक प्रगति एवं उपयोगिता प्रमाणपत्र शासन को प्रस्तुत किया जायेगा।

12- ₹ 50.00 लाख तक की योजनाओं की वित्तीय स्वीकृति जिलाधिकारी स्तर से जारी की जायेगी तथा ₹ 50.00 लाख से अधिक की स्वीकृति मण्डलायुक्त के अनुमोदन के उपरान्त जारी की जायेगी। स्वीकृतियों के प्रस्ताव जनपद/मण्डल

स्तरीय नोडल अधिकारी द्वारा तैयार कर अर्थ एवं संख्या विभाग के जनपद/मण्डल कार्यालय को उपलब्ध कराये जायेगे, जो इन प्रस्तावों को परीक्षण के उपरान्त जिलाधिकारी एवं मण्डलायुक्त को प्रस्तुत करेंगे।

13- उक्त व्यय चालू वित्तीय वर्ष 2008-09 के अनुदान संख्या -13 के लेखाशीर्षक-2215-जलापूर्ति तथा सफाई 01-जलापूर्ति-आयोजनागत-102-ग्रामीण जलपूर्ति कार्यक्रम-91-जिलायोजना-01-ग्रामीण पेयजल तथा जलोत्सारण योजना-20 -सहायक अनुदान/अंशदान राज सहायता के नामें डाला जायेगा।

14- यह शासनादेश राज्य योजना आयोग के शासनादेश संख्या 624/जि0यो0/रा0यो0आ0/मु0स0/2008, दिनांक 24.03.08 तथा वित्त विभाग के शासनादेश संख्या 267/XXVII(1)/2008, दिनांक 27.03.08 में उल्लिखित निर्देशानुसार निर्गत किया जा रहा है।

भवदीय,

(टीकम सिंह पंवार)

संयुक्त सचिव

संख्या-740/उत्तीस/08-2 (106पे0)/2007, तददिनांक

प्रतिलिपि:-निम्नांकित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित:-

- 1- महालेखाकार, उत्तराखण्ड, देहरादून।
- 2- मण्डलायुक्त गढ़वाल/कैमाऊ।
- 3- वरिष्ठ कोषाधिकारी, सम्बन्धित जनपद/कोषाधिकारी, उत्तराखण्ड।
- 4- प्रबन्ध निदेशक, उत्तराखण्ड पेयजल निगम, देहरादून।
- 5- मुख्य महाप्रबन्धक, उत्तराखण्ड जल संस्थान, देहरादून।
- 6- समस्त अधीक्षण अभियन्ता, उत्तराखण्ड पेयजल निगम, संबंधित जनपद।
- 8- वित्त अनुभाग-2/राज्य योजना आयोग/बजट सैल, उत्तराखण्ड शासन।
- 9- संयुक्त विकास आयुक्त गढ़वाल/कुमाँऊ।
- 10- आयुक्त ग्राम्य विकास, उत्तराखण्ड पौड़ी।
- 11- स्टाफ ऑफिसर, मुख्य सचिव, उत्तराखण्ड शासन।
- 12- संबंधित अधिशासी अभियन्ता/नोडल अधिकारी, उत्तराखण्ड पेयजल निगम संबंधित जनपद।
- 13- निदेशक, सूचना एवं लोक संपर्क निदेशालय, देहरादून।
- 14- निजी सचिव, मा0 पेयजल मंत्री जी को मा0 मंत्री जी के अवलोकनार्थ।
- 15- निदेशक, एन0आई0सी0 सचिवालय परिसर, देहरादून।
- 16- गार्ड फाईल

आज्ञा सें,

(नवीन सिंह तड़ागी)

उप सचिव